वृन्दावन धाम

चली मैं द्वारे चली, मेरे घनश्याम के ॥
*मेरे घनश्याम के जी, वृन्दावन धाम के ॥
चली मैं द्वारे चली,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
(जी)
सुना मेरे श्याम जी ने, कितनों को तारा है,
मीरा बाई का भी मैंने, ""सुना अफ़साना है"" ॥
*जख़्म सारे दिल के मैं, उनको दिखाऊँगी,
*हाल मेरे दिल का मैं, उनको सुनाऊँगी,,,
चली मैं द्वारे चली,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
(जी)
दुनियाँ की ठोकरों ने, तुझ से मिला दिया,
मेरे श्याम सुन्दर तेरा, ""सोहना मुख भा गया"" ॥
*तेरे बिना अब नहीं, मेरा सहारा है,
*तूने ही तो अपने सारे, भक्तों को तारा है,,,
चली मैं द्वारे चली,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
(जी)
तेरा दास अब तेरे, दर पे आ गया,
सारा जग छोड़ मैं तो, ""वृन्दावन आ गया"" ॥
*तेरा दर छोड़ मुझे, कहीं नहीं जाना है,
*तेरे वृन्दावन में आ, मुझे वस जाना है,,,
चली मैं द्वारे चली,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

हरे कृष्णा हरे कृष्णा, कृष्णा कृष्णा हरे हरे
हरे रामा हरे रामा, रामा रामा हरे हरे ॥

श्री कृष्ण गोबिंद हरे मुरारी,
हे नाथ नारायण वासुदेवा ॥

जय श्री, राधे राधे राधे,
जय श्री, राधे राधे राधे ॥॥

हरि बोल, हरि बोल,
हरि बोल, हरि बोल ॥
जय जय श्री राधे,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27584/title/vrindavan-dhaam

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |